MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2018–2019 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2018 सत्र के लिए	31 मार्च 2019	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2019 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2019	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. गाँधी के विचारों के अध्ययन में लक्ष्य और उद्देश्य का परीक्षण कीजिए।

2. जॉन रस्किन की पुस्तक 'अनटू दिस लास्ट' का सार बताएँ और गाँधी पर इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित विषयों की मूल विशेषताएँ एवं महत्त्व का उल्लेख कीजिए :
   (क) गाँधी पर भारतीय प्रभाव।
   (ख) विधि के विद्यार्थी के रूप में गाँधी के अनुभव।

4. खिलाफ़त और असहयोग आंदोलन के उदय के कारणों की चर्चा कीजिए।

5. 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' की पृष्ठभूमि व प्रारंभ का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) दक्षिण अफ्रीका में भारतीय।
   (ख) भारत में गाँधी सत्याग्रह।
7. (क) द्वितीय गोलमेज़ सम्मेलन।
   (ख) साम्प्रदायिक अवार्ड (Communal Award) का सार।
8. (क) रचनात्मक कार्यक्रम की कार्यसूची और इसके प्रमुख अवयव।
   (ख) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन।
9. (क) ब्रिटिश नीतियों और विभाजन।
   (ख) डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक व राजनीतिक विचार।
10. (क) गोपाल कृष्ण गोखले (1866–1915)।
    (ख) बाल गंगाधर तिलक (1856–1920)।

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. बौद्धिक और ऐतिहासिक संदर्भ में गाँधी के अहिंसा की अवधारणा का संक्षिप्त में विवरण कीजिए।
2. 'आधुनिक सभ्यता' की गाँधीवादी आलोचना का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. 'स्वराज' की संकल्पना की विवेचना कीजिए।
4. 'कर्त्तव्य' की अवधारणा की चर्चा कीजिए, इसका अधिकार से क्या संबंध है?
5. 'आर्थिक' दर्शन' पर गाँधी के विचार का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भक्ति आंदोलन।
   (ख) गाँधी का अनासक्ति योग।
7. (क) हिन्दू धर्म पर गाँधीवादी दृष्टिकोण।
   (ख) इसाई धर्म के बारे में गाँधी के विचार ।
8. (क) जॉन रस्किन (1819–1900)।
   (ख) हेनरी डेविड थीरयू (1817–1862)।
9. (क) गाँधी का 'सत्य ही ईश्वर है' सिद्धांत।
   (ख) 'गीता' की गाँधी द्वारा की गई व्याख्या।
10. (क) सर्वोदय की अवधारणा।
    (ख) जाति व्यवस्था/अस्पृश्यता के प्रति गाँधी के दृष्टिकोण।

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. 'सामाजिक परिवर्तन' की गाँधीवादी आलोचना की चर्चा कीजिए।
2. 'वर्णाश्रम धर्म' पर गाँधी के विचार का परीक्षण कीजिए।
3. '21वीं सदी में श्रम' पर गाँधीवादी दृष्टिकोण की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।
4. 'धार्मिक सुधार' पर गाँधीवादी विचार का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
5. ब्रिटिश भारत में सांप्रदायिक संघर्ष की गाँधीवादी विश्लेषण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) उत्तर आधुनिक गाँधी।
   (ख) 'हिन्दू–मुस्लिम एकता' पर गाँधीवादी दृष्टिकोण।
7. (क) गाँधी के 'सत्य' की अवधारणा।
   (ख) महिला के परिप्रेक्ष्य में गाँधीवादी विचारधारा।
8. (क) दलित वर्ग पर गाँधी के विचार।
   (ख) बच्चों की शिक्षा पर गाँधी के विचार।
9. (क) शाकाहार पर गाँधी के विचार।
   (ख) गाँधी दर्शन और शिक्षा का लक्ष्य।
10. (क) गाँधी की आर्थिक अवधारणा।
    (ख) आधुनिक सभ्यता पर गाँधी के विचार।

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. नागरिकता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. गाँधी को 'ग्राम स्वराज' की संकल्पना का परीक्षण कीजिए।
3. गाँधी के 'मुक्ति और समानता' की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
4. 'गाँधीवादी राष्ट्रवाद' की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
5. 'शक्ति' के प्रति गाँधी की अवधारणा का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधी का उपनिवेशवाद के विरुद्ध अहिंसक आंदोलन।
   (ख) गाँधीवादी शांतिवाद।
7. (क) उदारवाद और संविधानवाद पर गाँधी के विचार।
   (ख) फाँसीवाद पर गाँधीवादी विचार।
8. (क) युद्ध के प्रति गाँधीवादी विचार।
   (ख) 21वीं सदी में सत्याग्रह।
9. (क) 'समाजवाद और साम्यवाद' पर गाँधीवादी विचार।
   (ख) संघर्ष समाधान के साधन के रूप में 'सत्याग्रह'।
10. (क) औद्योगिकीकरण की गाँधीवादी आलोचना।
    (ख) 'साधन और साध्य' पर गाँधीवादी विचार।

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. सतत् शांति का अर्थ और प्रकारों का वर्णन कीजिए।

2. शांति, कल्याण और न्याय के बीच संबंधों को समझाइए।

3. शांति और लोकतंत्र के बीच संबंध का परीक्षण कीजिए।

4. 'शांति की संस्कृति' की संक्षेप में चर्चा कीजिए। शांति कायम रखने और आक्रामकता को नियंत्रित करने समाज में प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

5. समकालीन संघर्ष के प्रकार और स्तर का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समकालीन संघर्षों के वैश्विक स्रोत।
   (ख) संघर्ष की 'बल प्रयोग' पद्धति।

7. (क) भारत के सामाजिक अन्याय की प्रथा।
   (ख) समानता और असमानता पर उदारवादी और मार्क्सवादी विचार।

8. (क) शांतिपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालत का महत्त्व।
   (ख) शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के लिए अहिंसा का महत्त्व।

9. (क) पर्यावरण क्षति और मानव विकास।
   (ख) समकालीन विश्व में 'शांति शिक्षा' का महत्त्व।

10. (क) भारतीय चिन्तक और धार्मिक सौहार्द्र।
    (ख) संघर्ष और उनके समाधान पर पश्चिमी और पूर्वी परिप्रेक्ष्य की प्रमुख विशेषताएँ।

पाठ्यक्रमः गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. परंपरावादी अर्थशास्त्र की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
2. ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में गरीबी के जिम्मेदार कारकों की चर्चा कीजिए।
3. समकालीन विश्व में गाँधी की 'स्वदेशी की अवधारणा' की प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।
4. किन्हीं दो गाँधीवादी अर्थशास्त्री के विचार बताएँ? समकालीन परिप्रेक्ष्य में इनकी क्या प्रासंगिकता है?
5. गाँधी द्वारा 'रोटी के लिए श्रम' की अवधारणा का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारतीय अर्थव्यवस्था में सहकारिता की भूमिका।
   (ख) भारत में अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय।
7. (क) गाँधी के ग्राम विकास की अवधारणा।
   (ख) विकेंद्रीकरण की गाँधीवादी अवधारणा।
8. (क) गाँधी का दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद का अनुभव।
   (ख) समकालीन वैश्वीकृत युग में गाँधीवादी आर्थिक मॉडल की प्रासंगिकता।
9. (क) गाँधी द्वारा प्रतिपादित 'न्यासिता का सिद्धांत'।
   (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित 'इच्छाओं को सीमित करने का सिद्धांत'।
10. (क) मशीनरी और औद्योगिकीकरण पर गाँधीवादी दृष्टिकोण।
    (ख) अहिंसक आर्थिक व्यवस्था।

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. गाँधी के अहिंसात्मक आंदोलन के परिणामों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
2. उन सामाजिक और पारिस्थिकीय मुद्दों का संक्षेप में वर्णन कीजिए जो आज मानवता को प्रभावित कर रहे हैं।
3. समकालीन भारत में मद्य नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों की प्रमुख चिन्ताओं की चर्चा कीजिए।
4. गाँधीवादी विचारधारा से प्रभावित नये किसान आंदोलनों की चर्चा कीजिए।
5. संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलनों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समकालीन भूदान आंदोलन की प्रासंगिकता।
   (ख) जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति।
7. (क) प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा पर गाँधी के विचार।
   (ख) भारत में बाँध निर्माण।
8. (क) 'साइलेंट वैली' आंदोलन का महत्त्व।
   (ख) भारत की राष्ट्रीय जल नीति।
9. (क) 'नागरिक अधिकार'की अवधारणा का अर्थ और महत्त्व।
   (ख) 21वीं शताब्दी में 'हरित शांति आंदोलन' (Green Peace Movements)
10. (क) दक्षिण अफ्रीका में 'रंगभेद विरोधी' आंदोलन में गाँधी का योगदान।
    (ख) प्रतिष्ठा के लिए हत्या

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. शांति निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
2. म्यांमार की राजनीति में सेना की भूमिका का संक्षेप में परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित के बारे में अपने शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
   (क) सहिष्णुता और समरसता का महत्त्व।
   (ख) शांति प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी।
4. अहिंसा का गाँधीवादी तकनीकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।
5. संघर्ष समाधान के लिए गाँधीवादी विचारधारा की अवधारणा और अभ्यास का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संघर्ष के स्रोत।
   (ख) संघर्ष समाधान के गाँधीवादी दृष्टिकोण।
7. (क) 'शांति सेना' पर गाँधी के विचार।
   (ख) शांति के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण।
8. (क) असम में विद्रोह।
   (ख) राष्ट्र निर्माण की समस्याएँ।
9. (क) संघर्ष समाधान के गैर–पश्चिमी दृष्टिकोण।
   (ख) महिला स्वरोजगार संघ (SEWA)।
10. (क) संघर्ष समाधान में समझौते की प्रक्रिया।
    (ख) 'निर्भरता' के प्रति गाँधी का विचार।

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. 21वीं शताब्दी में सतत् विकास के लिए वैश्वीकरण के प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए, इस संबंध में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालें।
2. 'मानव' के प्रति गाँधी के विचार की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
3. विकसित पूँजीवादी राज्य पर बहस की प्रकृति का वर्णन कीजिए।
4. गाँधी द्वारा सुझाए गये भूमण्डलीकरण के दुष्प्रभावों को कम करने के विकल्पों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
5. 'विश्व व्यवस्था' के प्रति गाँधीवादी दृष्टि का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) लोकतंत्र की प्रक्रिया एवं समस्याएँ।
   (ख) गाँधीवादी ग्राम स्वराज और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता।
7. (क) गाँधीवादी धर्म–निरपेक्षता का भारत पर प्रभाव।
   (ख) सामाजिक समावेश की गाँधीवादी शैली।
8. (क) धर्म और सांस्कृतिक विविधता पर गाँधीवादी विचार।
   (ख) उभरते 'सामाजिक समावेश' की ओर गाँधी के प्रयास।
9. (क) समकालीन महिलावादी आंदोलन के लिए गाँधीवादी विरासत।
   (ख) मीडिया का महत्त्व और समकालीन विश्व में इसकी भूमिका।
10. (क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गाँधी के विचार।
    (ख) महिला सशक्तिकरण पर गाँधीवादी दृष्टिकोण।

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. 'संघर्ष उन्मूलन' में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
2. वर्तमान समाज में संघर्ष की प्रकृति का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में विवरण दीजिए :
   (क) संघर्ष विश्लेषण के मुख्य तत्त्व।
   (ख) संघर्ष प्रबंधन की अवधारणा।
4. 'संघर्ष परिवर्तन' के विभिन्न सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
5. पंजाब में हिंसा की समस्या पर एक आलेख लिखिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संघर्ष के स्रोत।
   (ख) संरचनात्मक हिंसा।
7. (क) जेने शार्प की कार्यनीतिक अहिंसा।
   (ख) आधुनिक सभ्यताा का गाँधीवादी विकल्प।
8. (क) शांति निर्माण में नागरिक समाज की भूमिका।
   (ख) चम्पारण में गाँधीवादी सत्याग्रह।
9. (क) संघर्ष पश्चात पुनर्निर्माण।
   (ख) संघर्ष परिवर्तन पर गाँधीवादी दृष्टिकोण।
10. (क) अफगानिस्तान पुनर्निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की भूमिका।
    (ख) पुनर्वास में महिला की भूमिका।

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. विकास और सुरक्षा के मानव अधिकारवादी दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।
2. मानव सुरक्षा और शांति निर्माण के संबंधों का परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए :
   (क) मानव सुरक्षा की भारत में स्थिति।
   (ख) लिंग (Gender), विकास और मानव सुरक्षा
4. मानव सुरक्षा के प्रति गाँधीवादी दृष्टिकोण की विभिन्न विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
5. संरचनात्मक हिंसा के विभिन्न आयामों की चर्चा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) राज्य हिंसा की अवधारणा।
   (ख) भारत में राज्य हिंसा।
7. (क) आतंकवाद के अभिलक्षण।
   (ख) शहरी असंगठित श्रमिक।
8. (क) वैश्विक तापन।
   (ख) भारत में खाद्य सुरक्षा।
9. (क) बालश्रम का सशक्तिकरण।
   (ख) मानव सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन।
10. (क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रति गाँधीवादी दृष्टि।
    (ख) संयुक्त राष्ट्र और मानव सुरक्षा।

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम.जी.पी.ई.–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. लिंग आधारित भेदभाव का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए और इस प्रकार की हिंसा के कारणों की पड़ताल कीजिए।
2. समकालीन महिला आंदोलन में गाँधीवादी विरासत की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।
3. महिलाओं के विरुद्ध विभिन्न प्रकार की हिंसा की चर्चा कीजिए।
4. पर्यावरण के संरक्षक के रूप में महिलाओं की भूमिका का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
5. भारत में जाति की अवधारणा की चर्चा कीजिए, ये महिलाओं के जीवन कैसे निर्धारित करती है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारतीय नारी पर वैश्वीकरण का प्रभाव।
   (ख) विभिन्न संस्कृति में महिलाओं की भूमिका।
7. (क) महिलाएँ और शांति निर्माण की कार्य सूचि (Agenda)।
   (ख) बलात्कार विरोधी आंदोलन।
8. (क) महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी।
   (ख) स्व–सहायता समूह।
9. (क) विश्व शांति और सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका।
   (ख) दक्षिण एशिया में शांति की पहल के प्रति महिलाओं की भूमिका।
10. (क) पर्यावरण और शांति।
    (ख) लिंग–असमानता।

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. नागरिक समाज का अर्थ और अवधारणा का परिक्षण कीजिए।
2. हेगेल की नागरिक समाज की धारणा की व्याख्या कीजिए।
3. आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध, नव–उदारवादी बाजार अर्थव्यवस्था और राजनीतिक शासन के प्रभावों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।
4. आधुनिक राज्यों के प्रमुख सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।
5. वैश्विक शांति आंदोलन की प्रकृति का संक्षेप में विवरण दें।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) मानव अधिकार संबंधी शिक्षा का महत्व।
   (ख) 'सशक्तिकरण' के प्रति गाँधीवादी विचार।
7. (क) एशिया में नागरिक समाज की प्रासंगिकता
   (ख) परमाणु विरोधी आंदोलन।
8. (क) गाँधीवादी नागरिक समाज और वैश्वीकरण।
   (ख) भूमण्डलीकरण विरोधी आंदोलन।
9. (क) शांति प्रक्रिया में गैर–सरकारी संस्थानों (NGOs) की भूमिका।
   (ख) भारत में शांति आंदोलन।
10. (क) पंचायती राज संस्थाओं के अध्ययन के लिए विभिन्न दृष्टिकोण।
    (ख) सामाजिक आंदोलन से प्रेरित स्वैच्छिक कार्य का संघटन।

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत में पारिस्थितिकी और विकास के बीच पूरकता के ऐतिहासिक दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।
2. विकास के विभिन्न उपागमों और पर्यावरण से इनके संबंध की चर्चा कीजिए।
3. समकालीन विकास की आलोचना का परीक्षण कीजिए ।
4. गाँधी के जीवन में उन कुछ बड़े प्रभावों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए जिन्होंने मानव जाति के प्रति उनके विचारों को प्रभावित किया।
5. गाँधी को एक महान मानव पारिस्थितिकीविद् (Human Ecologist) क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गठन पारिस्थितिकी के सिद्धान्त।
   (ख) विकास का गाँधीवादी दृष्टिकोण।
7. (क) अस्वामित्व का सिद्धान्त।
   (ख) गाँधीवादी जीवनशैली और आजीविका।
8. (क) पर्यावरण और संरक्षण पर गाँधीवादी विचार।
   (ख) सर्वोदय का दार्शनिक आधार।
9. (क) ग्राम स्वराज का महत्व और गाँवों की आत्मनिर्भरता।
   (ख) गाँधीवादी विकास का आध्यात्मिक आधार।
10. (क) विकास के संस्थागत आयाम।
    (ख) शुष्क राजस्थान में जल संचयन।

पाठ्यक्रमः अनुसंधान विधियों का परिचय (एम.जी.पी.ई.–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. कम्प्यूटर अनुप्रयोग के पूर्व व पश्चात् शोध प्रस्तुतीकरण की प्रविधियों का आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
2. समाज विज्ञान अनुसंधान का उद्देश्य और प्रकृति की चर्चा कीजिए।
3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में वर्णित करें :

   (क) सामाज विज्ञान अनुसंधान के प्रकार।

   (ख) सामाज विज्ञान अनुसंधान के गांधीवादी दृष्टिकोण।
4. साहित्य समीक्षा की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए और यह बताएं कि ये अनुसंसाधन समस्या को परिभाषित करने में कैसे सहायता करता है?
5. अनुसंधान ढाँचे में सिद्धांत की भूमिका का वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) अनुसंधान के मानकीय ओर अनुभवजन्य प्रतिमाओं के बीच अंतर।
   (ख) हिंसा, शांति और शांति निर्माण का विश्लेषण।
7. (क) समाज विज्ञाान अनुसंधान में आँकड़ा संकलन की पद्यति।
   (ख) नृजातीय वर्णन (Enthrography) में आँकड़ा संकलन की विभिन्न पद्धतियाँ।
8. (क) विवरणात्मक विश्लेषण की पद्धतियाँ।
   (ख) नृजातीय वर्णन की विशेषताएँ।
9. (क) परिकल्पना परीक्षण की प्रासंगिकता।
   (ख) शोध निष्कर्षों की व्याख्या और विश्लेषण।
10. (क) तालिका निर्माण के प्रमुख नियम।
    (ख) अनुसंधान विधि में वैज्ञानिक प्रस्तुतिकरण की विशेषताएँ।

पाठ्यक्रमः गाँधी : मानव अधिकार : भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम.जी.पी.ई–016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2018–19
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत में मानव अधिकारों की धारणा का उद्भव और अर्थ की चर्चा कीजिए।
2. पश्चिमी और गैर–पश्चिमी मानव अधिकारों की संकल्पना में अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी लिखिए :

   (क) राष्ट्रीय आंदोलन और मानव अधिकार।

   (ख) मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा।
4. देशज़ समूहों के अधिकारों की चर्चा कीजिए।
5. भारत में बाल अधिकारों और नीतियों की चर्चा कीजिए, भारत सरकार गैर–सरकारी संगठनों और नागरिक समाज द्वारा की गई पहल की चर्चा कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) बाल सेना के अधिकारों पर हुए समझौते।
   (ख) बाल सैन्य की समस्याएँ।
7. (क) महिला के अधिकार।
   (ख) भारत में अल्पसंख्यकों एवं वंचित वर्ग के अधिकार।
8. (क) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए राष्ट्रीय आयोग और पिछड़े वर्ग।
   (ख) अधिकारों और कर्त्तव्यों पर गाँधी के विचार।
9. (क) अधिकार और कर्तव्य पर गाँधीवादी दृष्टिकोण।
   (ख) अस्पृश्यता निवारण।
10. (क) संघर्ष समाधान।
    (ख) सतत् विकास।